(1)) सवालः—हजूर ताजुश्शरीअ़ह का खिताब कहां कब और कैसे मिला?

जवाबः—मुरज्जउल उलमा वल फुज़ला वग़ैरह,फज़ीलतुश्शैख़ हज़रतुल अ़ल्लाम मौलाना शैख़ मुहम्मद बिन अ़लवी मालिकी शैखुल हरम मक्का मुअ़ज़्ज़मा,कुतबे मदीना हज़रत अल्लामा मौलाना शाह ज़ियाउद्दीन मदनी रहमतुल्लाह अलैह,(ख़लीफा व तिलमीज़ आला हज़रत इमाम अहमद रज़ा फाज़िले बरैलवी)जैसे जय्यद अकाबिर उ़लमा व मशाइख़ ने अलक़ाबात से नवाज़ा जिस की एक तवील फहरिस्त है

(2)सवालः— ''क़ाज़ियुल क़ज़ात फिल हिन्द''का खिताब कहां कब और कैसे मिला?

जवाबः—शरई कौन्सिल ऑफ इन्डिया में मुल्क भर से आए हुए जय्यद उल्माए किराम व मुफ्तियाने इज़ाम ने नवम्बर 2005 इस्वी में ''क़ाज़ियुल क़ज़ात फिल हिन्द'' का खिताब दिया।

(3) सवालः—हजूर ताजुल इस्लाम का खिताब कहां कब और कैसे मिला?

जवाबः—15 अगस्त 1984 इस्वी 1404 हिजरी को अमरैली तशरीफ ले गये वहां हज़ारों लोग मुरीद हुए और रात 12 बजे से दो बजे तक जानशीने

मुफ्तये अअ़ज़म की तक़रीर हुई और 18 अगस्त को जूना गढ़ में "बज़्मे रज़ा " की जानिब से एक जलसा रज़ा मस्जिद में रखा गया, जिस में अमीरे शरीअ़त हाजी नूर मुहम्मद रज़वी मारफानी ने "ताजुल इस्लाम का लक़ब दिया,जिस की ताइद मुफ्तिये गुजरात मौलाना मुफ्ती अहमद मियां ने की।

(4)सवालः—हुजूर ताजुश्शरीअ़ह को"सदरुल मुफ्तीन,सनदुल महक़्क़ीन और फक़ीहे इस्लाम " का खिताब किस ने दिया?

जवाबः—1984 इस्वी 1404 हिजरी में रामपूर के मशहूर आलिमे दीन हज़रत मौलाना मुफ्ती सय्यद शाहिद अ़ली रज़वी शैखुल हदीस अलजामियातुल इस्लामिया गन्ज क़दीम राम पूर ख़लीफा व तिलमीज़ हुजूर मुफ्तिये अअ़ज़म मौलाना शाह मुस्तफा रज़ा बरैलवी ने दिया।

(5) सवालः— हुजूर ताजुश्शरीअ़ह के वालिद का नाम क्या है?

जवाबः—मुफस्सिरे अअ़ज़म हज़रत मौलाना मुहम्मद इब्राहीम रज़ा ख़ान जीलानी मियां

(6) सवालः— हुजूर ताजुश्शरीअ़ह के दादा का नाम क्या है?

जवाबः—हुज्जतुल इस्लाम मौलाना हामिद रज़ा खान

(7) सवालः— हुजूर ताजुश्शरीअ़ह के पर दादा का नाम क्या है?

जवाबः—आला हज़रत इमाम अहमद रज़ा क़ादरी फाज़िले बरैलवी

(8) सवालः— हुजूर ताजुश्शरीअ़ह का असली नाम क्या है?

जवाब :— मुहम्मद इस्माईल रज़ा खान

(9) सवालः— हुजूर ताजुश्शरीअ़ह का तख़ल्लुस क्या है?

जवाबः—अख़्तर तख़ल्लुस है

(10) सवालः— हुजूर ताजुश्शरीअ़ह की पैदाईश की तारीख़ क्या है और कहां हुई ?

जवाबः—25 फरवरी 1942 इस्वी में मुहल्ला सौदा ग्रान बरैली शरीफ में हुई ।

(11) सवालः— हुजूर ताजुश्शरीअ़ह के नाना का नाम क्या है?

जवाबः— हुज़र मुफ्तिये अअ़ज़मे हिन्द हज़रत अल्लामा मौलाना मुस्तफा रज़ा खान बरैलवी ।

(12) सवालः— हुजूर ताजुश्शरीअ़ह के पर नाना नाम क्या है?

जवाबः– आला हज़रत इमाम अहमद रज़ा क़ादरी फाज़िले बरैलवी

(13) सवालः– हुजूर ताजुश्शरीअ़ह की कितनी आलादें हैं?

जवाबः–एक साहबज़ादा और पांच साबिज़ादियां हैं

(14) सवालः– हुजूर ताजुश्शरीअ़ह ने कुरआन की तालीम किस से हासिल की ?

जवाबः–वालिदा माजिदा से।

(15) सवालः– हुजूर ताजुश्शरीअ़ह उर्दू की किताबे किस से पढ़ीं?

जवाब :–वालिद बुज़रुगवार से

(16) सवालः– हुजूर ताजुश्शरीअ़ह फिर उस के बाद तअ़लीम कहां हासिल की ?

जवाबः–दारुल उलूम मन्ज़रे इस्लाम बरैली शरीफ में

(17) सवालः– हुजूर ताजुश्शरीअ़ह ने फारसी की इब्तेदाई कुतुब पहली फारसी और दूसरी फारसी,गुलज़ारे दबिस्तां ,गुलिस्तां और बोस्तां के उस्ताज़ कौन हैं?

जवाबः–मन्ज़रे इस्लाम के उस्ताज़ हाफिज़ इनआ़मल्लाह खॉ तस्नीम हामिदी बरैलवी से पढ़ीं

(18) सवालः— हुजूर ताजुश्शरीअ़ह क्या आप ने कालेज भी पढ़ा?
जवाबः— जी हां 1952 में एफ,आर,इस्लामिया इन्टर कालेज में दाखला लिया। जहां पर आप ने हिन्दी और अंग्रेज़ी की तअ़लीम हासिल की।।
(19) सवालः— हुजूर ताजुश्शरीअ़ह ने आगे की तअ़लीम कहां हासिल कीं ?
जवाबः— 1963 इस्वी में जामिया अज़हर क़ाहेरा मिस्र तशरीफ ले गये वहां आप ने''क़ुल्लिया उसूलुद्दीन''(M.A)में दाखला लिया मुसलसल तीन साल रह कर जामिया के फने तफ्सीर व हदीस के उसात्ज़ह से इक्तेसाबे इल्म किया।
(20) सवालः— हुजूर ताजुश्शरीअ़ह क़ाहरा मिस्र में इम्तेहान में कौन सी पोज़ीशन हासिन की?
जवाबः—अव्वल पोज़ीशन

(21) सवालः— हुजूर ताजुश्शरीअ़ह क़ाहरा मिस्र से फारिग़ हो कर कब तशरीफ लाए?
जवाबः—17 नवम्बर 1966 इस्वी 1386 हिजरी की सुबह को बरैली तशरीफ लाए।

(22) सवालः– हुज़ूर ताजुश्शरीअ़ह के फारिग़ होने के बाद क्या मशग़ूलियत थी ?
जवाब :–1967 इस्वी से आप दारुल उलूम मन्ज़रे इस्लाम में दर्स व तदरीस के मसनद पर फाइज हुए और 1978 इस्वी में दारुल उलूम मन्ज़रे इस्लाम के ''सदरुल मुदर्रिसीन''(परिन्सपल)के आला ओहदे पर तक़र्रुर हए। और इस ओहदे के साथ ''रज़वी दारुल इफ्ता''के ''नायब मुफ्ती'' भी रहे। आप ने मदरसे में बारह साल तक ख़िदत की।।
(23) सवालः– हुज़ूर ताजुश्शरीअ़ह की ज़ात के उपर किताब''हयाते ताजुश्शरीअ़ह'' किस ने लिखी?
जवाबः–मौलाना शहाबुद्दीन रज़वी बरैलवी ने
(24) सवालः– हुज़ूर ताजुश्शरीअ़ह का किस खानदान से तअ़ल्लुक़ है?
जवाबः–अफग़ानुन्नस्ल,और क़बीलए बड़हैच,से आप तअ़ल्लुक़ है।
(25)सवालः– हुज़ूर ताजुश्शरीअ़ह के वालिद ए मोहतरम के विसाल की तारीख़ क्या है?

जवाबः—60 साल की उमर में 11 सफरुल मुज़फ्फर 1385 हिजरी 12 जून 1965 इस्वी में हुआ।

(26) सवालः— हुजूर ताजुश्शरीअ़ह का पहला फतवा क्या आर कब है?

जवाबः—पहला फतवा 1966 इस्वी 1386 हिजरी में तहरीर फरमाकर मुफ्ती सय्यद अफ्ज़ल हुसेन मुंगेरी सदर दारुल इफ्ता को दिखाया आप ने फरमाया कि अब मैं ने देख लिया है नाना मोहतरम को दिखा आइए फिर आप ने नाना जान को दिखया नाना मोहतरम ने हौसला अफ्ज़ाई फरमाई और नाना ने फरमाया कि दारुल इफ्ता में आकर फतवा लिखा करो और मुझे दिखाया करो।यह इस्तेफ्ता मरकज़े इस्लाम मदीना मनव्वरा से आया था जिस में तिलाक़,निकाह,मीरास,से मुतअ़ल्लिक़ सवाल थे।

(27)सवालः— हुजूर ताजुश्शरीअ़ह का निकाह कब और कहां और किस से हुआ?

जवाबः—हकीमुल इस्लाम मौलाना हस्नैन रज़ा बरैलवी इब्न उस्ताज़े ज़मन मौलाना हसन रज़ा खाँ हसन बरैलवी की दुख्तरे नेक अख्तर सालेह सीरत के साथ 3 नवम्बर 1968 इस्वी शअ़बानुल

मुअ़ज़्ज़म 1388 हिजरी बरोज़ इतवार को मुहल्ला कांकर टोला पुराना शहर बरैली में हुआ।

(28)सवालः– हुजूर ताजुश्शरीअ़ह के साहबज़ादे का नाम किया है?

जवाबः–हज़रत मौलाना मुनव्वर रज़ा उर्फ़ असजद रज़ा खान क़ादरी बरैलवी ।

(29)सवालः– हुजूर ताजुश्शरीअ़ह की ज़ात को सउदी गौरमिन्ट ने कब बेला वजह गिरिफ्तार कर लिया था?

जवाबः–31 अगस्त 1986 शब में तीन बजे मक्का मुकर्रमा में हज के दौरान ।

(30)सवालः– हुजूर ताजुश्शरीअ़ह किस से बैअ़त है?

जवाबः– हुजूर ताजुश्शरीअ़ह को हुजूर मुफ्तिये अअ़ज़मे हिन्द ने बचपन में ही बैअ़त फरमालिया था।

(31)सवालः– हुजूर ताजुश्शरीअ़ह को किस किस से ख़िलाफत हासिल है?

जवाबः–1371 हिजरी मुताबिक़ 15 जनवरी 1962 ईस्वी में महफिले मीलादुन्नबी (सल्लल्लहु अलैहि वसल्लम)की पुर नूर तक़रीब में अकाबिर उलमा की मौजूदगी में इज़ाज़त व ख़िलाफत से

सरफराज़ फरमाया, बुरहाने मिल्लत मुफ्ती बुरहानुल हक़ रज़वी जबलपूर, शम्सुल उलमा क़ाज़ी शम्सुद्दीन अहमद रज़वी जअफरी जौनपूर अलैहिर्रहमह के इलावह बहोत से हज़रात उल्मा व मुअज़्ज़िज़ीने शहर मौजूद थे, ख़लीफए आला हज़रत हज़रत बुरहान मिल्लत मुफ्ती बुरहानुल हक़ जबलपूरी , सय्यदुल उलमा हज़रत सय्यद आले मुस्तफा बरकाती सज्जादा नशीन ख़ानक़ाहे मारहरा मुतहहरा शरीफ से भी इजाज़त व ख़िलाफत हासिल है।और अहसनुल उलमा मौलाना सय्यद हसन मियां बरकाती ने14 15 नवम्बर 1984 में जानशीन मुफ्तिये अअ़ज़म की दस्तार बन्दी और नज़्र भी पेशकी। वालिद माजिद सरकार मुफस्सिरे आज़मे हिन्द ने मरव्वजह उलूम व फुनून की फराग़त से पहले ही अपनी अलालत की वजह से अपना क़ायम मुक़ाम यअनी जानशीन बनादिया और जमीअ सलासिल (हर सिललसिले)इजाज़त व ख़िलाफत भी अता फरमादी।

(32)सवालः– हुज़ूर ताजुश्शरीअ़ह की नअ़तिया दीवान का नाम किया है ?

जवाबः–सफीनए बख्शिश

(33)सवालः— हुज़ूर ताजुश्शरीअ़ह कितने उलूम व फुनून में कामिल महारत रखते हैं?
जवाबः—तफ्सीर,उलूमे कुरआन,हदीस,उसूल हदीस,फिक़ा,मआ़नी व बयान,जब्र व मुक़ाबला,मुनाजरा व मराया,हयातुल जदीदा मरबआ़त,इल्मुल जफर,अक़ाएद व कलाम,मन्तिक़,फलसफा,सरफ,नहो,तजवीद व क़िरात,तसव्वुफ,तारीख़,अदब,व लुग़त,उरुज़ व क़व्वाफी,तौक़ियत,हिसाब,हैय्यत,हिन्दसा,तक्सीर,रियाज़ी,फने किताबत,वग़ैरह वग़ैरह ।
(34)सवालः— हुज़ूर ताजुश्शरीअ़ह के कितने भाई हैं और बहन हैं ?
जवाबः— आप के पांच भाई और तीन बहनें हैं । सब से बड़े भाई हैं 1:— रेहाने मिल्लत मौलाना रेहान रज़ा ख़ां क़ादरी रहमानी मियां
पैदाईशः—18 ज़िल हिज्जा सन 1353 हिजरी सन 1934 इस्वी
विसालः—18 रमज़ानुल मुबारक सन 1405 हिजरी सन 1985 ईस्वी
2:— और तन्वीर रज़ा क़ादरी (आप बचपन से जज़्ब की कैफियत में ग़र्क़ रहते थे बिलआखिर मफक़ूदुलखबर हो गये)

(3)तीसरे आप खुद हैं।हज़रत अल्लाम मौलाना अख़्तर रज़ा खान आप का ही लक़ब (हुजूर ताजुश्शरीअह)है।
और दो आप से छोटे भाई हैं
(4)डाक्टर क़मर रज़ा ख़ां क़ादरी
और(5) मौलाना मन्नान रज़ा ख़ां क़ादरी
1)बड़ी बहनों में पीली भीत में जनाब शौकत अली खान से बियाही गई थीं।
(2)दूसरी बहन बदायूं में शैख़ अब्दुल हसीब के निकाह में आईं बिहम्दिही तआला यह दोनों बहनों से लड़के व लड़कियां मौजूद हैं
(3)तीसरी बहन का अक़दे निकाह,खानदान ही में ही जनाब यूनुस रज़ा खानसाहब से हुआ जो ला वलद हैं।
(35)सवालः– हुजूर ताजुश्शरीअ़ह के चचा कितने हैं ?
जवाबः–एक चचा हज़रत मौलाना हम्माद रज़ा ख़ान नुअमानी मियां हैं।
(36)सवालः– हुजूर ताजुश्शरीअ़ह ने जो इदारा क़ायम फरमाया है उस का नाम क्या है?
जवाबः–अल मरकजुद्दरासियात जामियातुर्रज़ा नाम है जो बरैली शरीफ में है । इस मदरसे के

नाज़िमे आला आप के साहबज़ादे मौलाना मुहम्मद असजद रज़ा खां हैं।
(37)सवालः– हुजूर ताजुश्शरीअ़ह को कितनी ज़बानों में महारत हासिल है ?
जवाबः–आप को हिन्दी, अंग्रेज़ी, उर्दू, अर्बी,मैमनी, फारसी,गुजराती,मराठी,पन्जाबी,बंगाली,और भोजपूरी, में महारत हासिल है
(38)सवालः– हुजूर ताजुश्शरीअ़ह की कितनी साहबज़ादियां हैं?
जवाबः– हुजूर ताजुश्शरीअ़ह की पांच साहबज़ादिया हैं
(1)बड़ी साहबज़ादी मोहतरमा आसिया बेगम आली जनाब इन्जीनियर मुहम्द बुरहान रज़ा साहब देहली,को मन्सूब हैं।
एक साहबज़ादा मुहम्मद अलवान रज़ा और एक साहबज़ादी है।
(2)दूसरी साहबज़ादी सअ़दिया बेगम साहबा, आली जनाब अलहाज मुहम्मद मन्सूब अली ख़ान (बहेड़ी) को मन्सूब हैं।
एक साहबज़ादी और एक साहबज़ादा मुहम्मद मिन्हाल रज़ा हैं।

(3)तीसरी साहबज़ादी मोहतरमा कुदसिया बेगम साहबा हज़रत मौलाना मुहम्मद शुएब रज़ा नईमी देहली साहब को मन्सूब हैं। एक साहबज़ादे मुहम्मद हमज़ह खुबेब हैं।
(4) साहबज़ादी मोहतरमा अ़तिया बेगम साहबा हज़रत मौलाना मुहम्मद सलमान रज़ा साहब इब्न अमीने शरीअत को मन्सूब हैं दो साहबज़ादे मुहम्मद सुफ्यान रज़ा मुहम्मद शाबान रज़ा हैं।
(5)पांचवी साहबज़ादी मोहतरमा सारिया बेगम, आली जनाब मुहम्मद फरहान रज़ा को मन्सूब हैं एक साहब ज़ादी हैं।
(39)सवालः– हुजूर ताजुश्शरीअ़ह ने किस किस मुल्क का तब्लीग़ी दौरा किया?
जवाबः– हुजूर ताजुश्शरीअ़ह ने हिन्दुस्तान,पाकिस्तान,मदीना मनव्वरह,मक्का मुअ़ज़्ज़ा,बंगलादेश,मारेशेस,सिरी लंका,बरतानिया,हॉलेंड,जुनूबी अफरीक़ा,अमरीका,इराक़,ईरान,तुर्की मलावी,जरमन,मुत्तहादा अरब इमारात कुवेत,लबनान,मिस्र,शाम,कनाडा,वग़ैरह ममालिक में तब्लीग़ी दौरा किया

(40)सवालः— हुजूर ताजुश्शरीअ़ह से किस तरह के लोग मुरीद हैं?
जवाबः—बड़े बड़े
उलमा,मशाइख़,सोलहा,शोअ़रा,उदबा,मफक्किरीन,क़ाएदीन,
मुसन्निफीन,रिसर्च इस्कालर,प्रोफीसर, डाक्टर,और मुहक़्क़िीन,वगैरह आप से मुरीद है।
(41)सवालः— हुजूर ताजुश्शरीअ़ह के कितने मुरीद हैं?
जवाबः—अन्गिनत लोग और बे शुमार तक़रीबन दो करोड़ और जितने मुल्कों का आप ने तब्लीग़ी दौरा किया वहां वहां आप के मुरीद हैं।
(42)सवालः— हुजूर ताजुश्शरीअ़ह के कितने खलीफा हैं?
जवाबः—मौलाना शहाबुद्दीन साहब ने ''हयाते ताजुश्शरीअह''हिन्दुस्तान के 123 खलीफाओं का जिक्र किया है पाकिस्तान के 17 बंगला देश के 5 नैपाल के दो अरब ममालिक के 41 श्री लंका के चार साउथ अफरीक़ा के दो अमरीका के पांच दिगर ममालिक के 6 खोलफा का जिक्र किया है। टोटलः 203 खोलफा हैं।

(43) सवालः—हुज़र ताजुश्शरीअ़ह की अहले सुन्नत वल जमाअ़त के लिए किया नसीहतें है ?
जवाबः— हुज़र ताजुश्शरीअ़ह नसीहत और वसिय्यत फरमाते हैं कि आला हज़रत कुदि स सिर्रहू के मसलक पर क़ायम रहना,वहाबियों और दूसरे बातिल फ़िरक़ों से मेल जोल,खाना पीना या किसी भी त़रह का इत्तेहाद जाइज़ नहीं है इन फरक़हाए बातिला से ता क़यामत इत्तेहाद नहीं हो सकता, मेरे ख़ानदान के लोग हों या मेरा बेटा ही क्यों न हो,अगर आप देखें कि मसलके आला हज़रत से हट गया है तो दूध से मक्खी की तरह निकाल कर बाहर फेंक दें (छोड़ दें)
और हज़रत ने ''लफ्ज़े कमली''और''तस्वीर''कशी और टी,वी,रेडियो और टाई पर फाज़िलाना मक़ाला और फतावा लिख कर आ़लमे इस्लाम को हक़ व सदाक़त का दर्स दिया है।
(44) सवालः—हुज़र ताजुश्शरीअ़ह मज़ार पर औ़रतों की हाज़री के बारे में क्या फरमाते हैं?
जवाबः— हुज़र ताजुश्शरीअ़ह से चन्द बही ख़्वां मसलके अहले सुन्नत वल जमाअ़त ने उर्स रज़वी में औरतों की आमद पर तवज्जोह मबजूल कराई,हज़रत ने फौरन 26 जूलाई 1995 इस्वी को

एक अपनी तरफ से मज़मून शाए (छपवाया)कराया कि मज़ारात पर औरतें न आएं,और यही आला हज़रत बरैलवी का फरमान है,हज़रत ने तमाम मुरीदीन व मु त वस्सिलीन के लिए हिदायत नामा जारी किया कि''अपने साथ ख़्वातीन को मज़ार शरीफ पर न लाएं ।

jamdashahi.blogspot.com

7415066579